मंगलवार

15 सितम्बर 2026

● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 234
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चारधाम यात्रा: सीएम ने परखी तैयारियां

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चारधाम यात्रा-2026 की व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चारधाम यात्रा-2026 की व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने यात्रा से जुड़े जनपदों के जिलाधिकारियों से यात्रा मार्गों, यातायात, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम और सुव्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यात्रा मार्गों पर मौसम एवं भूस्खलन की स्थिति की निरंतर निगरानी करने, संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था रखने तथा संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्गों पर यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए होल्डिंग एरिया में आवश्यक सुविधाएं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान यातायात व्यवस्था ऐसी हो कि श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। मुख्यमंत्री ने

यमुनोत्री धाम में भीड़ एवं आवागमन को देखते हुए धाम से लगभग 500 मीटर पहले दूसरा घोड़ा पड़ाव विकसित करने, डंडी-कंडी सेवाओं को व्यवस्थित करने तथा खरसाली से वैकल्पिक मार्ग के संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पैदल मार्ग पर यात्रियों और घोड़े-खच्चरों की आवाजाही सुव्यवस्थित रखने तथा सूर्यकुंड क्षेत्र में प्रभावी भीड़ प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने घोड़े-खच्चरों के संचालन में निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने, पशुओं का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। केदारनाथ पैदल मार्ग के चीरबासा एवं भैरव ग्लेशियर क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संवेदनशील स्थानों पर यात्रियों, घोड़े-खच्चरों एवं डंडी-कंडी की आवाजाही व्यवस्थित रखी जाए। मुख्यमंत्री ने यमुनोत्री पैदल मार्ग के चौड़ीकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने तथा गंगोत्री मार्ग पर चौड़ीकरण एवं गड्ढामुक्त करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने यात्रा मार्गों के भूस्खलन संभावित क्षेत्रों की निरंतर निगरानी करने तथा स्यानाचट्टी क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने ज्योतिर्मठ - मारवाड़ी मार्ग पर प्रभावी यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने तथा मार्ग अवरुद्ध होने की स्थिति में उसे शीघ्र खोलने के लिए आवश्यक मशीनरी की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने चारों धामों में मौसम की स्थिति को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए अलाव सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विशेष रूप से श्री केदारनाथ और श्री बदरीनाथ यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ, ऑक्सीजन तथा आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने यात्रा मार्गों पर स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था रखने तथा घोड़े-खच्चरों की लीद का समुचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मोबाइल नेटवर्क की समस्या वाले क्षेत्रों में आपातकालीन संचार व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित विभागों एवं दूरसंचार कंपनियों के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने यात्रा मार्गों पर पर्याप्त शौचालय, पेयजल, विद्युत, प्रकाश एवं शटल सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा शौचालयों की नियमित सफाई और औचक निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने हेली सेवाओं के टिकट निर्धारित दरों पर ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्धारित दर से अधिक वसूली अथवा अनधिकृत टिकट बिक्री की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाए। मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देकर हेली सेवाओं का संचालन किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, गृह सचिव शैलेश बगौली सहित शासन, प्रशासन एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गोली चली, गई जान!

❑पूर्व उप-ब्लॉक प्रमुख की गोली लगने से मौत, 3 पर हत्या का मुकदमा

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। काशीपुर में पूर्व उप ब्लॉक प्रमुख हरदीप सिंह की गोली लगने से मौत के मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। हरदीप सिंह 38 वर्ष के थे और कुंडा थाना क्षेत्र के गोरा फार्म में 11 सितंबर की रात गोली लगने से घायल हुए थे। इलाज के दौरान हरदीप सिंह ने दम तोड़ दिया। इसके बाद मृतक की मां की तहरीर पर पुलिस ने संदीप सिंह, उसकी पत्नी और मां को नामजद करते हुए हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद से तीनों आरोपी फरार हैं। मृतक की मां की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार, संदीप सिंह ने हरदीप से उसे गोरा फार्म स्थित घर छोड़ने के लिए कहा था। साथ ही पैसे लेने की बात भी कही गई थी। आरोप है कि संदीप के घर पहुंचने के बाद

षड्यंत्र के तहत हरदीप सिंह को गोली मार दी गई। देर रात करीब एक बजे संदीप सिंह ने हरदीप की मां को फोन कर बेटे को गोली लगने की जानकारी दी। इसके बाद गंभीर हालत में हरदीप को काशीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। काशीपुर सीओ प्रशांत कुमार के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हरदीप और संदीप पुराने मित्र थे। दोनों घटना से पहले कहीं बाहर पार्टी करने के बाद संदीप के घर पहुंचे थे। पुलिस के अनुसार, घर पर भी शराब का सेवन किए जाने की बात सामने आई है। दोनों के नशे में होने की जानकारी भी जांच में मिली है। पुलिस फिलहाल घटना के पीछे की पूरी परिस्थितियों और विवाद की वजह पता लगाने में जुटी है। सीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि घटनास्थल से फॉरेंसिक टीम ने जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस घटना में इस्तेमाल हथियार, घटनास्थल की परिस्थितियों और आरोपियों की भूमिका समेत सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

बड़ी जवाबदेही जरूरी

डिजिटल भुगतान भारत की अर्थव्यवस्था का चेहरा बदल चुका है। चाय की दुकान से लेकर बड़े बाजार तक, कुछ रुपये से लेकर हजारों रुपये तक का भुगतान अब मोबाइल से हो रहा है। ऐसे में सरकार का यह स्पष्ट करना कि 2000 तक के डिजिटल लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा, पहली नजर में आम उपभोक्ता और छोटे कारोबारियों के लिए राहत भरा कदम है। लेकिन किसी भी सरकारी फैसले का मूल्यांकन केवल घोषणा से नहीं, उसके जमीन पर लागू होने और उसके पीछे की नीतिगत स्पष्टता से होना चाहिए। सवाल यह है कि आखिर आम नागरिक को बार-बार यह स्पष्टीकरण क्यों चाहिए कि उसके छोटे डिजिटल भुगतान पर शुल्क लगेगा या नहीं? जब सरकार डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दे रही है तो शुल्क, कर और भुगतान व्यवस्था से जुड़े नियम इतने स्पष्ट क्यों नहीं होने चाहिए कि किसी भ्रम की गुंजाइश ही न रहे? नीति का उद्देश्य यदि डिजिटल भुगतान को बढ़ाना है तो नीति की भाषा भी उतनी ही साफ होनी चाहिए। छोटे लेनदेन पर शुल्क नहीं लगना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डिजिटल अर्थव्यवस्था का वास्तविक आधार बड़े कारपोरेट लेनदेन नहीं, बल्कि रोजमर्रा के करोड़ों छोटे भुगतान हैं। रेहड़ी वाला, किराना दुकानदार, छोटा व्यापारी, विद्यार्थी और आम उपभोक्ता इसी व्यवस्था का सबसे बड़ा हिस्सा हैं। इन लोगों के लिए एक-दो रुपये का अतिरिक्त शुल्क भी डिजिटल भुगतान के प्रति व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। लेकिन यहां सरकार की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। घोषणा के बाद निगरानी कौन करेगा? यदि किसी बैंक, भुगतान सेवा प्रदाता या अन्य माध्यम से ग्राहक से अनुचित शुल्क वसूला जाता है तो उसकी शिकायत कहां होगी? कितने समय में उसका निपटारा होगा? गलत शुल्क लेने वाली संस्था पर क्या कार्रवाई होगी? इन सवालों के जवाब केवल नियमों में नहीं, बल्कि व्यवहार में दिखाई देने चाहिए। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि छोटे कारोबारियों को डिजिटल भुगतान स्वीकार करने की सुविधा के नाम पर किसी दूसरे रास्ते से अतिरिक्त आर्थिक बोझ न उठाना पड़े। डिजिटल भुगतान का ढांचा जितना व्यापक हो रहा है, उसकी लागत और जिम्मेदारी का बोझ किसके हिस्से में जा रहा है, इस पर सार्वजनिक विमर्श जरूरी है। डिजिटल इंडिया का अर्थ यह नहीं हो सकता कि सुविधा का नाम नागरिक का हो और लागत का हिसाब भी उसी से लिया जाए। नीतिगत पारदर्शिता का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कि सरकार के दावों और जमीनी हकीकत के बीच अंतर न रहे। यदि 2000 तक के लेनदेन पर शुल्क नहीं है तो यह जानकारी बैंक, दुकानदार और ग्राहक तीनों को स्पष्ट रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। नियमों की जटिल भाषा में राहत को छिपा देना या ऐसी शर्तें रखना जिन्हें आम आदमी समझ ही न सके, नीति की भावना को कमजोर करता है। इसके साथ डिजिटल सुरक्षा का सवाल भी जुड़ा है। डिजिटल भुगतान बढ़ने के साथ साइबर धोखाधड़ी का खतरा भी बढ़ रहा है। सरकार यदि लोगों को नकदी से डिजिटल माध्यम की ओर ले जा रही है तो उसे उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी से भी पीछे नहीं हटना चाहिए। सुरक्षित भुगतान, त्वरित शिकायत निवारण और ठगी की स्थिति में प्रभावी सहायता यह डिजिटल अर्थव्यवस्था की बुनियादी शर्तें हैं। दरअसल, यह फैसला सरकार के लिए केवल राहत देने का अवसर नहीं, बल्कि विश्वास मजबूत करने की परीक्षा भी है। नागरिक को यह भरोसा होना चाहिए कि डिजिटल भुगतान करते समय उससे अनावश्यक शुल्क नहीं लिया जाएगा और यदि नियम का उल्लंघन होता है तो सरकार उसके पक्ष में खड़ी होगी। सरकारें घोषणाएं करती हैं, लेकिन लोकतंत्र में असली कसौटी घोषणा नहीं, जवाबदेही है। 2000 तक के छोटे डिजिटल भुगतान पर शुल्क न लगने की बात स्वागतयोग्य है, लेकिन अब निगाह इस पर होनी चाहिए कि यह राहत कितनी पारदर्शिता से लागू होती है और कितनी प्रभावी निगरानी होती है। डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार तभी वास्तविक उपलब्धि माना जाएगा, जब तकनीक नागरिक की जेब हल्की करने के बजाय उसकी सुविधा बढ़ाए। छोटे भुगतान पर शुल्क-मुक्ति राहत है, लेकिन उस राहत की रक्षा करना सरकार की नीतिगत जिम्मेदारी है।

डांडी कांठी रत्न 2026 का आयोजन 17 सितम्बर को

संवाददाता

देहरादून। डांडी कांठी क्लब के अध्यक्ष विजय भूषण उनियाल ने कहा कि 17 सितम्बर को संस्कृति विभाग प्रेक्षागृह में डांडी कांठी रत्न 2026 का आयोजन होगा।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए डांडी कांठी क्लब के अध्यक्ष विजय भूषण उनियाल ने बताया कि 17 सितम्बर को संस्कृति विभाग प्रेक्षागृह में आयोजन होगा। लोक संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों के पारंगत 17 ग्रामीण क्षेत्रों के प्रख्यात ढोल वादक व लोक जागर गाने वाले जागरियों और अन्य क्षेत्र में पारंगत जनों को मिलेगा राज्य वाद्ययंत्र सम्मान 2026 एवं सरकारी सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पांच वरिष्ठ अधिकारियों को मिलेगा डांडी कांठी रत्न 2026 का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उत्तराखण्ड अपनी समृद्ध लोककला, लोकसंस्कृति एवं पारंपरिक विरासत के लिए देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान रखता है। प्रदेश की लोक परंपराओं को संरक्षित एवं सवर्द्धित करने के उददेश्य से सामाजिक संस्था 'डांडी कांठी क्लब' निरंतर विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधि यों के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि मध्य हिमालयी संस्कृति के सरोकारों से जुडी इस संस्था द्वारा पारंपरिक लोककलाओं एवं संस्कृति के संरक्षण तथा संवर्द्धन के लिए समर्पित (लोकविद्या) जागर संरक्षण दिवस का आयोजन इस वर्ष भी 17 सितंबर को भव्य रूप से किया जा रहा है।

तारीख का इंतजार, मैदान में 'महाभारत'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विधानसभा चुनाव की तारीख का अभी ऐलान नहीं हुआ है, चुनावी बिगुल भी आधिकारिक तौर पर नहीं बजा है, लेकिन उत्तराखंड की राजनीति में शंखनाद हो चुका है। जैसे-जैसे 2027 विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे प्रदेश के राजनीतिक दलों ने अपने तरकश से शब्दबाण निकालने शुरू कर दिए हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोपों की ऐसी बौछार चल रही है कि लगता है मानो चुनावी कुरुक्षेत्र सज चुका हो और महाभारत का युद्ध समय से पहले ही शुरू हो गया हो।

भाजपा अपनी सरकार की उपलब्धियों, संगठन की मजबूती और लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी के दावे के साथ मैदान में उतर चुकी है। दूसरी ओर कांग्रेस बेरोजगारी, महंगाई, पलायन, कानून-व्यवस्था, भर्ती परीक्षाओं, भ्रष्टाचार और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को हथियार बनाकर सरकार को घेरने की कोशिश में है। वहीं उत्तराखंड क्रांति दल समेत छोटे राजनीतिक दल क्षेत्रीय अस्मिता, मूल निवास, भू-कानून और पहाड़ के सवालों को फिर से राजनीतिक बहस के केंद्र में लाने में जुटे हैं। अभी चुनाव की तारीख तय नहीं हुई है, लेकिन नेताओं की भाषा बता रही है कि सभी दल चुनावी मोड में आ चुके हैं। भाजपा विपक्ष को उसके पुराने शासनकाल, कथित भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता के मुद्दों पर घेर रही है। कांग्रेस पलटवार में मौजूदा सरकार से रोजगार, महंगाई, पलायन, कानून-व्यवस्था और विकास के सवालों पर जवाब मांग रही है।

हर राजनीतिक बयान के पीछे अब केवल वर्तमान की राजनीति नहीं, बल्कि

◆चुनाव की घोषणा अभी दूर, लेकिन उत्तराखंड में शब्दबाणों के हमले तेज
◆भाजपा-कांग्रेस से लेकर छोटे दलों तक सत्ता की लड़ाई ने पकड़ी रफ्तार
◆विधानसभा चुनाव को लेकर है पहाड़ के सवालों पर छोटे दलों की नजर

2027 का गणित दिखाई देने लगा है। कोई संगठन की ताकत दिखा रहा है तो कोई जनसभाओं की भीड़ को जनादेश का संकेत बता रहा है। कोई नेताओं के दल बदलने को अपने पक्ष में माहौल बता रहा है तो कोई इसे सत्ता का दबाव और राजनीतिक प्रबंधन करार दे रहा है। सत्तारूढ़ भाजपा के सामने सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की है। पार्टी इसे केवल चुनावी जीत नहीं, बल्कि जनता के निरंतर विश्वास का प्रमाण बताने की रणनीति पर काम कर रही है। संगठनात्मक स्तर पर बूथ को मजबूत करने, स्थानीय जनप्रतिनिधियों को पार्टी से जोड़ने और सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने की कवायद तेज हो गई है।

भाजपा का पूरा राजनीतिक अभियान इस संदेश के इर्द-गिर्द आकार ले रहा है कि उत्तराखंड में राजनीतिक स्थिरता और विकास के लिए एक बार फिर भाजपा को अवसर मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार के कामकाज को भी पार्टी चुनावी विमर्श के केंद्र में रखने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस की रणनीति भाजपा के विकास और स्थिरता के दावे के सामने जनता के सवाल खड़े करने की है। पार्टी रोजगार, युवाओं की नाराजगी, पलायन, महंगाई और कथित प्रशासनिक विफलताओं को लेकर सरकार को घेर रही है। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती केवल सरकार विरोधी मुद्दे उठाना नहीं, बल्कि यह साबित करना भी है कि सत्ता का विकल्प बनने के लिए उसके पास एकजुट संगठन, विश्वसनीय नेतृत्व और स्पष्ट राजनीतिक दिशा मौजूद है। पार्टी के भीतर नेतृत्व और चुनावी चेहरे को लेकर होने वाली हर चर्चा को भाजपा अपने राजनीतिक हथियार में बदलने की कोशिश करेगी।

इस चुनावी महाभारत में केवल भाजपा और कांग्रेस ही योद्धा नहीं हैं। उत्तराखंड क्रांति दल और अन्य छोटे राजनीतिक दल भी अपने-अपने हथियार तैयार कर रहे हैं। क्षेत्रीय दलों की राजनीति का केंद्र वही मुद्दे हैं, जो लंबे समय से उत्तराखंड की पहचान से जुड़े रहे हैंकृभू-कानून, मूल निवास, पलायन, रोजगार और पहाड़ की अस्मिता। छोटे दल भले ही सत्ता की सीधी लड़ाई में भाजपा और कांग्रेस जितने मजबूत न दिखें, लेकिन कई सीटों पर वह चुनावी गणित बदलने की क्षमता रखते हैं। कुछ हजार वोटों का इधर-उधर होना भी कई विधानसभा क्षेत्रों में जीत और हार के बीच की दूरी तय कर सकता है।

उत्तराखंड की राजनीति में फिलहाल

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

भाजपा का शक्ति प्रदर्शन, 31 जनप्रतिनिधियों ने थामा कमल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भाजपा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्वाचन जनपद चंपावत में अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट की मौजूदगी में नगर पंचायत अध्यक्ष समेत 31 जनप्रतिनिधियों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। बड़ी संख्या में निर्वाचित प्रतिनिधियों के एक साथ भाजपा में आने को पार्टी ने प्रदेश में अपने पक्ष में बन रहे राजनीतिक माहौल का संकेत बताया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने इस मौके पर कहा कि एक ही स्थान से बड़ी संख्या में एकतरफा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का भाजपा में शामिल होना प्रदेश में पार्टी के पक्ष में बने माहौल को दर्शाता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के प्रति जनता का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है और इसका प्रतिबिंब निजी समाचार संस्थानों के सर्वेक्षणों में भी दिखाई देने लगा है। चंपावत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का निर्वाचन क्षेत्र होने के साथ ही भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से विशेष महत्व रखता है। ऐसे में नगर निकाय स्तर के निर्वाचित प्रतिनिधियों का पार्टी में शामिल होना भाजपा के लिए महज संगठन विस्तार नहीं, बल्कि 2027 से पहले राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

भाजपा इस घटनाक्रम को बूथ से लेकर स्थानीय निकाय तक अपने संगठन को मजबूत करने की रणनीति से जोड़ रही है। पार्टी की कोशिश है कि चुनाव से पहले स्थानीय स्तर पर प्रभाव रखने वाले जनप्रतिनिधियों और सामाजिक समूहों को अपने साथ जोड़कर चुनावी नेटवर्क को और व्यापक किया जाए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बयान में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत एकतरफा निर्वाचित प्रतिनिधियों को लेकर है। इसका सीधा संदेश यह देने की कोशिश है कि पार्टी में

◆कई जनप्रतिनिधियों के भाजपा में शामिल होने से सियासी हलचल तेज
◆महेंद्र भट्ट बोले एकतरफा जनादेश बदलते राजनीतिक माहौल का संकेत
◆विधानसभा चुनाव 2027 से पहले भाजपा का माहौल अभियान शुरू

आने वाले लोग केवल सामान्य राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं, बल्कि अपने क्षेत्रों में जनता का समर्थन हासिल कर चुके निर्वाचित प्रतिनिधि हैं।

भाजपा इसे अपने पक्ष में बढ़ते जनसमर्थन के प्रमाण के तौर पर पेश कर रही है। हालांकि, किसी भी राजनीतिक दल के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों का दल बदलना चुनावी माहौल का एक संकेत हो सकता है, लेकिन इसे पूरे प्रदेश की जनता के अंतिम राजनीतिक रुझान का निर्णायक प्रमाण मानना जल्दबाजी होगी। 2027 का वास्तविक जनादेश चुनाव के दौरान ही सामने आएगा। महेंद्र भट्ट ने अपने बयान में निजी समाचार संस्थानों के सर्वेक्षणों का भी उल्लेख किया। राजनीतिक रूप से यह कांग्रेस समेत विपक्षी दलों पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा माना जा सकता है। भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि चुनाव से काफी पहले ही उसके पक्ष में माहौल दिखाई देने लगा है।

इसके पीछे पार्टी की व्यापक चुनावी रणनीति भी दिखाई देती है। भाजपा जहां संगठनात्मक स्तर पर बूथ सशक्तीकरण और जनप्रतिनिधियों को अपने साथ जोड़ने पर जोर दे रही है, वहीं राजनीतिक संदेशों के जरिए यह धारणा बनाने का प्रयास भी कर रही है कि मुकाबले में वह शुरुआती बढ़त हासिल कर चुकी है।

31 जनप्रतिनिधियों के भाजपा में शामिल होने से विपक्षी दलों के सामने अपने स्थानीय संगठन और जनाधार को लेकर सवाल खड़े होना स्वाभाविक है। कांग्रेस के लिए चुनौती दोहरी है कि एक ओर उसे अपने नेताओं और निर्वाचित प्रतिनिधियों को भाजपा की ओर जाने से रोकना होगा, वहीं दूसरी ओर भाजपा के मजबूत माहौल के दावे को राजनीतिक और संगठनात्मक स्तर पर चुनौती देनी होगी। 2027 के चुनाव में सत्ता विरोधी माहौल कितना प्रभावी होगा, यह भी इसी तरह के स्थानीय राजनीतिक घटनाक्रमों से तय होगा। यदि विपक्ष अपने प्रभावशाली स्थानीय चेहरों को संभालने में कमजोर पड़ता है तो भाजपा को इसका चुनावी लाभ

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

2027 का चुनाव तय करेगा उत्तराखंड की दिशा : गुसाईं

कोटद्वार (आरएनएस)। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता अनुकृति गुसाईं ने कहा कि उत्तराखंड में विकास की अपार संभावनाएं हैं। जरूरत इन्हें अवसर में बदलने की है। वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव प्रदेश की दिशा तय करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कह चुके हैं कि आने वाला दशक उत्तराखंड का है। भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता में अनुकृति ने कहा कि भाजपा किसी व्यक्ति विशेष का संगठन नहीं, बल्कि लाखों कार्यकर्ताओं के भरोसे पर चलने वाला संगठन है। पार्टी के लिए राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि है। उन्होंने बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर देते हुए कहा कि 'बूथ जीतो, चुनाव जीतो' के सिद्धांत पर ही चुनावी सफलता हासिल की जा सकती है। अनुकृति ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए भी सरकार काम कर रही है। प्रदेश में तीन लाख महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं और महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है।लैंसडौन से विधानसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसका फैसला संगठन और पार्टी का शीर्ष नेतृत्व करेगा। इसके अलावा उन्होंने हरक सिंह रावत और लैंसडौन विधानसभा से जुड़े कई सवालों के जवाब भी दिए। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष हरि सिंह पुंडीर, सुरेंद्र आर्य, शशिबाला केष्टवाल और विकासदीप मित्तल मौजूद रहे।

माता अनसूया देवी मंदिर तक सड़क निर्माण की मांग उठी

चमोली(आरएनएस)। दशोली ब्लॉक के अनसूया गांव के ग्रामीणों ने संतानदायिनी माता अनसूया देवी मंदिर तक सड़क निर्माण की मांग उठाई। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से अनसूया गेट (मंडल) से संगूड़ पैदल पुल तक 2.50 किलोमीटर मार्ग निर्माण कार्य प्रस्तावित है। इसके लिए करीब 44 लाख रुपये का बजट भी स्वीकृत हो चुका है लेकिन कुछ ग्रामीण काश्तकारों की भूमि संबंधी आपत्तियों के कारण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है।अनसूया मंदिर के पुरोहित जय प्रकाश तिवाड़ी और अन्य ग्रामीणों ने कहा कि लोनिवि के अधिकारी ग्रामीणों के बीच सहमति बनाकर शीघ्र सड़क निर्माण कार्य शुरू करें। कहा गया कि करीब 12 वर्ष पूर्व माता अनसूया देवी मार्ग से जोड़ने के उद्देश्य से सिरोली गांव के समीप 30 मीटर आरसीसी पुल का निर्माण किया गया था। मगर पुल का उपयोग मार्ग के लिए नहीं होने से सरकारी धन का सदुपयोग नहीं हो पा रहा है। ऐसे में अनसूया गांव के छात्र-छात्राओं को स्कूल और मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में करीब चार किमी की पैदल दूरी तय करनी पड़ रही है। इधर, लोनिवि के अधिशासी अभियंता तनुज कांबोज का कहना है कि अनसूया सड़क निर्माण के लिए ग्रामीणों से वार्ता की जा रही है। जल्द सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

यमुनोत्री में कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश

उत्तरकाशी(आरएनएस)। मानसून के बाद यमुनोत्री धाम में बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ से पहले यात्रा मार्ग की क्षतिग्रस्त और प्रभावित व्यवस्थाएं प्रशासन के रडार पर आ गई हैं। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने यमुनोत्री धाम तक करीब पांच किलोमीटर लंबे पैदल मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मार्ग पर क्षतिग्रस्त रेलिंग, दीवार, सफाई, स्वास्थ्य, पेयजल और यात्री सुविधाओं की स्थिति परखी। उन्होंने संबंधित विभागों को कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पैदल मार्ग के किनारे क्षतिग्रस्त रेलिंग और दीवार मिलने पर जिलाधिकारी ने लोनिवि के अधीक्षण अभियंता को तत्काल मरम्मत कराने को कहा। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना है, ऐसे में यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। यात्रा मार्ग और पड़ावों पर कूड़ा व घोड़ा-खच्चरों की लीद की समस्या को देखते हुए जिला पंचायत और सुलभ इंटरनेशनल को नियमित सफाई के निर्देश दिए गए। शौचालयों की मरम्मत, पर्याप्त पानी और लगातार सफाई करने को कहा गया। घोड़ा-खच्चरों के लिए चरी की सफाई और गर्म पानी की व्यवस्था भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए यात्रा मार्ग पर चिकित्सकों, दवाइयों और फर्स्ट मेडिकल रिस्पॉन्डर कैंपों को सक्रिय रखने को कहा गया। क्षतिग्रस्त कैंपों के दरवाजे तत्काल बदलने के निर्देश भी दिए गए। वहीं स्यानाचट्टी, पालीगाड, सिलाईबैंड और औजारी में पर्याप्त मशीनरी और कार्यबल तैनात रखने के निर्देश दिए गए।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

नारी शक्ति की भागीदारी से ही विकसित भारत का निर्माण : मदन कौशिक

हरिद्वार(आरएनएस)। भाजपा की ओर से भूपतवाला स्थित वासुदेव आश्रम में नारी शक्ति वंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। आयोजित कार्यकम में बतौर मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि नारी शक्ति की भागीदारी के बिना सशक्त और विकसित भारत का निर्माण संभव नहीं है।

कार्यक्रम में महिलाओं ने मदन कौशिक की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा। कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति, सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक माना गया है। आज महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, राजनीति, खेल, व्यापार, विज्ञान और उद्यमिता समेत हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित कर रही हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

महापौर किरन जैसल ने कहा कि नारी शक्ति परिवार के साथ राष्ट्र निर्माण की भी महत्वपूर्ण आधारशिला है। भाजपा प्रदेश सह मीडिया प्रभारी विकास तिवारी ने कहा कि हरिद्वार में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं और महिलाओं के आशीर्वाद से प्रदेश में भाजपा की सरकार लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत से बनेगी। संचालन भाजयुमो नेता दीपांशु विद्यार्थी ने किया। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष किशन बजाज, महामंत्री सर्वेश्वर मूर्ति भट्ट, देवेश ममगई, पार्षद आकाश भाटी, सुनीता शर्मा, सूर्यकांत शर्मा, अनिरुद्ध भाटी, जिला उपाध्यक्ष तरुण नय्यर, वीरेंद्र तिवारी, महेंद्र अरोड़ा, अन्नू कक्कड़, आदर्श पांडेय, प्रीति गौड़, मुकेश कौशिक, आदित्य गौड़, अजीत कुमार, करण वर्मा, राजकुमार अरोड़ा, सांसद प्रतिनिधि अनिल पुरी, ललित नय्यर, मुनेश सैनी, गौरव वर्मा, श्याम पांडेय और सूरज गुप्ता मौजूद रहे।

दिनेशपुर थाना क्षेत्र में तीन सौ लोगों को साइबर के प्रति जागरुक

रुद्रपुर(आरएनएस)। एसएसपी अजय गणपति के निर्देशन में जिले में साइबर अपराध के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत थाना दिनेशपुर और झनकईया क्षेत्र में ई-मोबाइल वैन के माध्यम से विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, दुकानदारों, यात्रियों और श्रमिकों को डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ठगी, ओटीपी और पासवर्ड की सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी। साथ ही सोशल मीडिया का सावधानी से इस्तेमाल करने की अपील की गई। पुलिस ने ऑनलाइन निवेश और घर बैठे नौकरी दिलाने के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से सतर्क रहने के उपाय भी बताए।अभियान के दौरान साइबर बुलिंग और स्टॉकिंग से बचाव की जानकारी देते हुए लोगों से किसी अनजान व्यक्ति के साथ निजी जानकारी साझा नहीं करने की अपील की गई। थाना दिनेशपुर क्षेत्र के चक्की मोड़, सुभाष चौक, कालीनगर, मोतीपुर और जाफरपुर रोड समेत विभिन्न स्थानों पर करीब 300 लोगों को जागरूक किया गया।

पुलिस ने साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। अभियान में दिनेशपुर और झनकईया थाने के पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

औषधीय मशरूम से अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचीं डॉ. हिरेशा

विकासनगर(आरएनएस)। ग्रामीण महिलाओं को औषधीय मशरूम की खेती के जरिए आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखने वाली जलवायु टावर झाझरा देहरादून निवासी डॉ. हिरेशा वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन किया है। उनकी कंपनी हैन एग्रोकेयर एलएलपी को ब्रिक्स डब्ल्यूबीए महिला स्टार्टअप प्रतियोगिता-2026 में कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रेणी का विजेता चुना गया है। इस श्रेणी में पुरस्कार हासिल करने वाली यह एकमात्र भारतीय कंपनी है। एक दशक से अधिक समय पहले डॉ. हिरेशा वर्मा ने अपना कॉरपोरेट करियर छोड़कर पछुवादून के छरबा में औषधीय मशरूम की खेती को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में काम शुरू किया था।उनके मुताबिक इस पहल का केंद्र ग्रामीण महिलाएं हैं। औषधीय मशरूम की खेती और प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को परिवार की आय में योगदान देने के साथ टिकाऊ आजीविका का अवसर मिल रहा है। बीते शुक्रवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में मिली इस उपलब्धि को डॉ. वर्मा ने अपनी व्यक्तिगत सफलता के बजाय महिला किसानों, प्रशिक्षुओं, टीम, मार्गदर्शकों और सहयोगियों की सामूहिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि जब यह पहल महज एक विचार थी, तब जिन लोगों ने उस पर विश्वास जताया, उनके सहयोग से ही यह अंतरराष्ट्रीय पहचान तक पहुंच सकी।

बराखेड़ा खेल महाकुंभ में बालिकाओं ने दिखाया दमखम

रुद्रपुर(आरएनएस)। मुख्यमंत्री चैंपियनशिप ट्रॉफी के तहत बराखेड़ा न्याय पंचायत स्तरीय खेल महाकुंभ का समापन हो गया। दूसरे दिन अंडर-14 और अंडर-19 बालिका वर्ग में एथलेटिक्स, कबड्डी और खो-खो की प्रतियोगिताएं हुईं। अंडर-19 वर्ग की 100 मीटर दौड़ में सौम्या, 200 मीटर में संजना, 400 और 800 मीटर में वैष्णवी भट्ट, 1500 मीटर में मानसी सागर और 3000 मीटर में काजल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लंबी कूद में मानसी सागर, जबकि ऊंची कूद और गोला फेंक में जसप्रीत कौर विजेता रहीं। अंडर-14 वर्ग की 60 मीटर दौड़ और लंबी कूद में शगुन कंबोज, 600 मीटर में अनामिका, ऊंची कूद में मान्यता और गोला फेंक में दिव्यांशी ने प्रथम स्थान हासिल किया।मुर्गा झपट में अलशिफा विजेता रहीं। कबड्डी में सकैनिया स्टेडियम की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्राम प्रधान सकैनिया मीना चौधरी और उप प्रधान जफरुद्दीन अली ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। ब्लॉक खेल समन्वयक नूर आलम, विनती विश्वास, राजेश विश्वास, धर्मेंद्र कुमार, दिनेश उप्रेती, धर्म सिंह, रीता रानी, मंजू रानी, वीरेंद्र कुमार और शालिनी ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

बेस अस्पताल में नवजातों के इलाज के लिए एनआईसीयू में बढ़ी उपचार की सुविधा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सोबन सिंह जीना बेस अस्पताल में नवजात शिशुओं के उपचार के लिए आधुनिक मशीनों की स्थापना से गंभीर मामलों में उपचार की सुविधा बेहतर हुई है। अस्पताल के अत्याधुनिक एनआईसीयू में स्थापित इंक्यूबेटर और थेराप्यूटिक हाइपोथर्मिया मशीन नवजातों के जीवन की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विभागाध्यक्ष एवं नवजात शिशु सुपरस्पेशलिस्ट (डीएम) डॉ. सुमित जीना ने बताया कि इंक्यूबेटर का उपयोग विशेष रूप से समय से पूर्व जन्मे और कम वजन वाले नवजातों के उपचार में किया जाता है। 28 से 30 सप्ताह में जन्मे तथा एक किलोग्राम से कम वजन वाले बच्चों के अंग पूरी तरह विकसित नहीं होते हैं। इंक्यूबेटर में तापमान और ह्यूमिडिटी नियंत्रित रखकर बच्चों को हाइपोथर्मिया से बचाने में मदद मिलती है। जरूरत के अनुसार नवजात को करीब दो सप्ताह तक इस मशीन में रखा जाता है और ह्यूमिडिटी को धीरे-धीरे कम किया जाता है। थेराप्यूटिक हाइपोथर्मिया मशीन का इस्तेमाल ऐसे नवजातों के उपचार में किया जाता है, जो जन्म के तुरंत बाद नहीं रोते हैं।

डॉ. जीना के अनुसार इसके लिए बच्चे का वजन दो किलोग्राम से अधिक, गर्भ अवधि 35 सप्ताह या उससे अधिक और जन्म के छह घंटे के भीतर अस्पताल में भर्ती होना जरूरी है। मशीन के माध्यम से बच्चे के मस्तिष्क और पूरे शरीर को 72 घंटे तक नियंत्रित तरीके से ठंडा रखा जाता है। इस दौरान तापमान करीब 33.5 डिग्री सेल्सियस पर बनाए रखने के बाद धीरे-धीरे सामान्य किया जाता है। डॉ. जीना ने बताया कि नियंत्रित कूलिंग से मस्तिष्क का मेटाबॉलिज्म कम करने और विषैले पदार्थों के निर्माण को घटाने में मदद मिलती है, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में सहायता मिलती है। बेस अस्पताल में इन मशीनों की सुविधा शुरू होने से अल्मोड़ा और आसपास के क्षेत्रों के नवजातों को उपचार के लिए बेहतर सुविधा मिल रही है। अस्पताल के प्राचार्य डॉ. तितियाल ने कहा कि भविष्य में अस्पताल में और बेहतर चिकित्सा मशीनें उपलब्ध कराने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि क्षेत्रवासियों को उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

जूतों से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आजमाएं ये 5 आसान तरीके

जूते अक्सर पसीने, गंदगी और बैक्टीरिया के कारण बदबूदार हो जाते हैं, खासकर अगर आप उन्हें लंबे समय तक बंद जगह पर रखते हैं तो उनमें से दुर्गंध आने लगती है। इस समस्या को हल करने के लिए आप कुछ आसान और असरदार तरीके अपना सकते हैं। ये तरीके न केवल आपके जूतों को साफ और ताजा बनाएंगे, बल्कि उन्हें लंबे समय तक पहनने लायक भी रखेंगे। आइए इन उपायों के बारे में जानें।

खाने का सोडा उपयोग करें : खाने का सोडा, जिसे बेकिंग सोडा भी कहते हैं, जूतों की दुर्गंध को दूर करने का एक असरदार तरीका है। इसे इस्तेमाल करने के लिए जूतों के अंदर थोड़ा सा सोडा छिड़कें और रातभर के लिए छोड़ दें। सुबह इसे झाड़कर साफ कर लें। सोडा नमी और बदबू को सोख लेता है, जिससे जूते ताजगी भरे लगते हैं। यह तरीका खासतौर पर उन जूतों के लिए उपयोगी है, जिन्हें आप रोजाना पहनते हैं।

नींबू का रस लगाएं : नींबू का रस जूतों की बदबू को दूर करने का एक प्राकृतिक तरीका है। इसके लिए एक कपड़े पर नींबू का रस लगाकर जूतों के अंदर पोंछें। फिर जूतों को कुछ देर के लिए खुली हवा में या धूप में रखें। नींबू की खुशबू जूतों को ताजा बनाती है और दुर्गंध को खत्म करती है। यह तरीका उन जूतों के लिए उपयोगी है जो लंबे समय तक बंद जगह में रखे गए हों।

सिरके का उपयोग करें : सिरका, जिसे विनेगर भी कहा जाता है, जूतों की बदबू को दूर करने में मदद करता है। इसके लिए सिरके को पानी में मिलाकर एक कपड़े से जूतों को अंदर और बाहर पोंछें, फिर जूतों को खुली हवा में सूखने के लिए रख दें। सिरके में मौजूद तत्व बैक्टीरिया को खत्म करते हैं और दुर्गंध को दूर करते हैं। यह तरीका जूतों को साफ और ताजगी भरा रखने का एक आसान उपाय है।

चायपत्ती का प्रयोग करें : चायपत्ती में मौजूद प्राकृतिक तत्व बदबू को सोखने में मदद करते हैं। सूखी चायपत्ती को जूतों के अंदर रखें और रातभर के लिए छोड़ दें। सुबह इसे निकाल दें। चायपत्ती की खुशबू जूतों को ताजा बनाती है और दुर्गंध को कम करती है। यह तरीका उन जूतों के लिए उपयोगी है, जो लंबे समय तक इस्तेमाल में रहे हों।

कॉर्नस्टार्च का इस्तेमाल करें : कॉर्नस्टार्च जूतों की नमी को सोखने और बदबू को कम करने में मदद करता है। इसे इस्तेमाल करने के लिए जूतों के अंदर थोड़ा सा कॉर्नस्टार्च डालें और कुछ घंटों के लिए छोड़ दें, फिर जूतों को साफ कर लें। कॉर्नस्टार्च नमी को सोख लेता है, जिससे जूते ताजगी भरे लगते हैं। यह तरीका उन जूतों के लिए उपयोगी है, जो पसीने के कारण दुर्गंध छोड़ते हैं।

जिम जाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान, सही कपड़े बनेंगे बेहतर विकल्प

जिम जाने से पहले सही कपड़े चुनना बहुत जरूरी है। सही कपड़े न केवल आपको आरामदायक महसूस कराते हैं, बल्कि आपकी कसरत को भी आसान और सुरक्षित बनाते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सरल और उपयोगी सुझाव देंगे, जो आपकी जिम की दिनचर्या को और भी बेहतर बना सकते हैं। कपड़े चुनते समय यह सुनिश्चित करें कि वे हल्के, लचीले और पसीना सोखने वाले हों ताकि आप बिना किसी परेशानी के अपनी कसरत कर सकें।

हल्के और आरामदायक कपड़े चुनें : जिम के लिए हमेशा हल्के और आरामदायक कपड़े ही चुनें। इससे आपकी कसरत के दौरान शरीर को राहत मिलेगी और आप बेहतर तरीके से एक्सरसाइज कर सकेंगे। ऐसे कपड़े चुनें, जो आपकी त्वचा को हवा लगने दें और पसीना सोखने में मदद करें। सूती या अन्य हल्के और मुलायम कपड़े इस काम के लिए अच्छे माने जाते हैं। ध्यान रखें कि कपड़े न तो बहुत ढीले हों और न ही बहुत टाइट, ताकि आप आसानी से हर एक्सरसाइज कर सकें।

सही फिटिंग पर दें ध्यान : जिम के कपड़ों की फिटिंग बहुत मायने रखती है। ऐसे कपड़े पहनें जो न ज्यादा ढीले हों और न ही बहुत टाइट। बहुत ढीले कपड़े कसरत के दौरान परेशानी खड़ी कर सकते हैं, और बहुत टाइट कपड़े आपको असहज कर सकते हैं। फिटिंग ऐसी होनी चाहिए, जो आपके शरीर को सहारा दे और आपकी हरकतों को आसान बनाए। अगर कपड़े सही माप के नहीं होंगे तो आपकी कसरत का अनुभव खराब हो सकता है।

कपड़ों के कपड़े का ध्यान रखें : कपड़ों के लिए सही कपड़ा चुनना भी जरूरी है। ऐसे कपड़े चुनें, जो पसीना सोख सकें और जल्दी सूख जाएं। इससे आपको कसरत के दौरान ठंडक महसूस होगी और आप ज्यादा देर तक एक्सरसाइज कर सकेंगे। सूती कपड़े या हल्के सिंथेटिक कपड़े इस काम के लिए अच्छे होते हैं। इसके अलावा कपड़े का कपड़ा ऐसा हो जो आपकी त्वचा को सांस लेने दे और पसीना जल्दी सूख जाए। सही कपड़े आपकी कसरत को और भी आरामदायक और असरदार बनाएंगे।

रंग और डिजाइन का रखें ध्यान : जिम के कपड़ों का रंग और डिजाइन भी अहमियत रखता है। ऐसे रंग चुनें, जो आपको प्रेरित करें और ऊर्जा से भर दें। गहरे रंग जैसे नीला, काला या गहरा हरा अच्छे विकल्प हो सकते हैं क्योंकि ये साफ-सुथरे दिखते हैं और जल्दी गंदे नहीं लगते। कपड़ों का डिजाइन ऐसा हो, जो व्यावहारिक हो और आपकी कसरत के दौरान ध्यान न भटकाए। बहुत चमकीले रंगों या भारी डिजाइन से बचें।

सही जूते पहनना भी है जरूरी : जिम में कसरत करते समय सही जूतों का चुनाव करना भी उतना ही जरूरी है जितना कि कपड़ों का। जूते ऐसे होने चाहिए, जो आपके पैरों को पूरा सहारा दें और फिसलने से बचाएं। जूतों का तलवा मुलायम और मजबूत होना चाहिए ताकि पैरों को आराम और सुरक्षा दोनों मिले।

स्टैमिना को एक सप्ताह में बढ़ाये

क्या आप अक्सर थकान महसूस करते हैं? क्या आपको किसी भी छोटी मोटी बीमारी से ठीक होने में बहुत अधिक समय लगता है? यदि हाँ, तो इसका अर्थ है कि आपकी क्षमता कम हो चुकी है। स्टेमिना से तात्पर्य मनुष्यों की नियमित कार्यों को आसानी से करने की क्षमता से है। स्टेमिना को सहन शक्ति, उर्जा, चेतना आदि भी कहा जाता है तथा मनुष्यों को सामान्य जीवन जीने के लिए यह बहुत आवश्यक घटक है। यदि आपके पास पर्याप्त उर्जा नहीं होगी तो आप काम नहीं कर पायेंगे जिससे आपके जीवन की गुणवत्ता में कमी आयेगी। यदि आपके पास पर्याप्त स्टेमिना नहीं है तो कसरत करना, काम पर जाना, लोगों से मिलना जुलना और यहाँ तक कि सेक्स करना भी आपको बहुत कठिन लगेगा। अत: कुछ ऐसे पदार्थों के बारे में जानें जिन्हें आप अपने आहार में शामिल करके कर एक सप्ताह में अपना स्टेमिना बढ़ा सकते हैं।

1. केला: शकरकंद में कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में होते हैं तथा शरीर में उर्जा के निर्माण के लिए कार्बोहाइड्रेट की अत्यंत आवश्यकता होती है।

2. शकरकंद: केले में पोटैशियम प्रचुर मात्रा में पाया जाता है जो शरीर में कुछ विशेष प्रकार के हार्मोन्स का उत्पादन बढ़ाता है जिससे शरीर में उर्जा का स्तर बढ़ता है। यहाँ तक कि कसरत करने से पहले भी केले का सेवन किया जाता है।

3. कॉफ़ी: कॉफ़ी में कैफीन पाया जाता है जो केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र को उत्तेजित करके उसे सक्रिय रखता है। इससे आपका शरीर पूरे दिन सक्रिय और उर्जा से भरा हुआ रहता है।

4. एवोकैडो: एवोकैडो एक विशेष फल होता है जिसमें एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह शरीर को अनुकूल स्तर की ऑक्सीजन प्रदान करता है जिसकी आवश्यकता शरीर की प्रत्येक कोशिकाओं को होती है। इस प्रकार यह आपके स्टेमिना को बढ़ाता है।

5. अंडा: अंडा नाश्ते में खाया जाने वाला ऐसा पदार्थ है जो आपको दिन भर उर्जावान बनाये रखता है क्योंकि इसमें प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है और इस प्रकार यह आपकी चयापचय को बढ़ाता है।

6. ओट्स: ओट्स नाश्ते में खाया जाने वाला एक अन्य पदार्थ है जिसमें कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में पाया जाता है तथा यह आपके स्टेमिना के स्तर को दिन भर बनाए रखता है।

7. पीनट बटर: पीनट बटर में प्रोटीन और ओमेगा-3 फैट्स प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। ये दोनों ही आपके उर्जा के स्तर को बढ़ाते हैं तथा मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करते हैं।

खराब जीवनशैली से जल्द आता है बुढ़ापा

अपौष्टिक आहार, व्यायाम की कमी और एक खराब जीवनशैली से मनुष्य की आयु वृद्धि की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। अमेरिका के शोधकर्ताओं ने यह चेतावनी दी है। मनुष्य की आयु में वृद्धि करने वाली कोशिकाओं में से एक 'सीनेसेंट' उम्र से जुड़े बीमारियों और स्थितियों में अहम भूमिका निभाती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि व्यायाम के समय से पहले वृद्ध होनेवाली प्रक्रिया के संचय से बचाता है और साथ ही अपौष्टिक आहार के कारण होने वाले हानिकारक प्रभावों से भी रक्षा करता है। अमेरिका में 'मायो क्लीनिक' से वरिष्ठ लेखक नैथन लेब्रासेर ने कहा कि हमारा मानना है कि अपौष्टिक आहार और खराब जीवनशैली के कारण जैविक और नैदानिक दोनों स्तरों पर मनुष्य की आयु में वृद्धि की प्रक्रिया तेज होती है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर प्रशिक्षण किया। जिसमें इन चूहों के एक समूह को स्वस्थ आहार प्रदान किया गया और दूसरे समूह को 'फास्ट फूड' जैसी चीजें आहार में दी गईं। इस परीक्षण के परिणामस्वरूप 'फास्ट फूड' जैसी चीजें खाने वाले चूहों में स्वास्थ्य मानकों पर घातक बदलाव देखने को मिले। जिसमें उनके शरीर का वजन बढ़ना, उनके मांस का ३०० मीटर तक बढ़ना, जैसे कई लक्षण दिखाई दिए। इसके बाद दोनों प्रकार के आहार लेने वाले चूहों के समूह में से आधे चूहों को रोज व्यायाम कराया गया, जिससे उनके शरीर में बदलाव नजर आया।

नैथन ने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि आपको मैराथन में दौड़ने की जरूरत है, लेकिन हमें स्वस्थ रहने के लिए अपनी गतिविधियों को बढ़ाने हेतु नए तरीके खोजने की जरूरत है।

शब्द सामर्थ्य -071

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रात:, सबेरा।

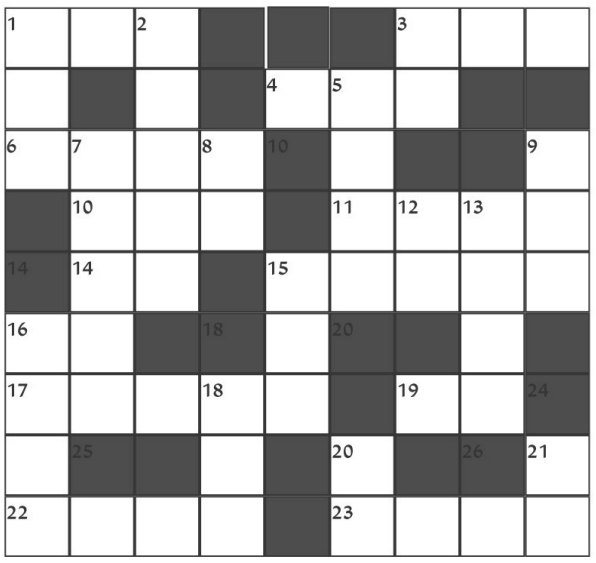

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सीरीज शकः लापता बच्चे की तलाश में भटकती दिखेंगी परिणीति चोपड़ा

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक बार फिर डिजिटल मंच पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी रहस्य-रोमांचक श्रृंखला शक-ट्रस्ट नो वन' की प्रदर्शन तिथि घोषित कर दी गई है। इस श्रृंखला का निर्माण चर्चित फिल्म निर्माता सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने किया है, जबकि इसका निर्देशन रेनसिल डी'सिल्वा ने किया है। पहले इस श्रृंखला का नाम तलाश-ए मदर्स सर्च' रखा गया था, जिसे अब बदलकर शक-ट्रस्ट नो वन' कर दिया गया है।

निर्माताओं के अनुसार, बदला हुआ नाम श्रृंखला की रहस्यमय कहानी और उसमें मौजूद संदेह के माहौल को बेहतर तरीके से दर्शाता है। डिजिटल मंच नेटफ्लिक्स ने श्रृंखला के प्रदर्शन की तारीख की घोषणा की है। मंच की ओर से श्रृंखला का पोस्टर जारी करते हुए लिखा गया, शक की सुई चल पड़ी है, तारीख नजदीक आ रही है। शक-ट्रस्ट नो वन' को 24 सितंबर, 2026 से नेटफ्लिक्स के सदस्य दर्शक देख सकेंगे। श्रृंखला की घोषणा इसी साल की शुरुआत में की गई थी और तब से परिणीति चोपड़ा के प्रशंसकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बनी हुई थी।

शक-ट्रस्ट नो वन' की कहानी एक मां और उसके नौ साल से लापता बच्चे की तलाश के इर्द-गिर्द घूमती है। बच्चे के अचानक गायब होने के बाद मां उसकी तलाश में जुटती है। इस दौरान उसके सामने कई ऐसे सवाल और रहस्य सामने आते हैं, जो कहानी को रहस्य और रोमांच से भर देते हैं। श्रृंखला में परिणीति चोपड़ा के अलावा ताहिर राज हुसैन, सोनी राजदान, जेनिफर विंगेट, व्यास सुमित और हर्लिन सेठी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस श्रृंखला का निर्माण सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने किया है। वह भविष्य में दिग्गज अभिनेत्री मीना कुमारी के जीवन पर आधारित जीवनीपरक फिल्म भी लेकर आने वाले हैं।

कुणाल खेमू की फिल्म का टाइटल ट्रैक ऐसी मेरी वाइब' जारी

अभिनेता कुणाल खेमू की आगामी फिल्म वाइब' अपनी रिलीज से पहले ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले बनी इस एक्शन-कॉमेडी फिल्म के ट्रेलर को कुछ दिन पहले जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।

अब निर्माताओं ने फिल्म का शीर्षक गीत ऐसी मेरी वाइब' जारी कर दिया है। गाने में फिल्म के सभी प्रमुख कलाकार एक साथ नृत्य करते नजर आ रहे हैं। इसका फिल्मांकन कुणाल खेमू, प्रीति जिंटा, स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर पर किया गया है। गाने में कुणाल खेमू और स्पर्श श्रीवास्तव का जोशीला नृत्य खास आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। ऐसी मेरी वाइब' को खिलारी, इरफाना और कन्फ्यूजन ने अपनी आवाज दी है। कनिष्क पाल ने गाने का संगीत तैयार किया है, जबकि इसके बोल शुभम सोपान, खिल्लारी और इरफाना हमीद ने लिखे हैं।

तेज और जोशीले संगीत से भरपूर यह गाना युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। गाने में फिल्म के प्रमुख कलाकारों की ऊर्जा और नृत्य का अंदाज देखने को मिलता है। माना जा रहा है कि इसकी धुन और प्रस्तुति दर्शकों को थिरकने के लिए मजबूर कर सकती है। इससे पहले वाइब' का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। ट्रेलर में एक्शन और हास्य का मिश्रण देखने को मिला था। फिल्म की कहानी और कलाकारों के किरदारों को लेकर भी दर्शकों में उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म का निर्देशन और कहानी से जुड़ी अन्य जानकारी निर्माताओं की ओर से धीरे-धीरे सामने लाई जा रही है। टाइटल ट्रैक जारी होने के बाद फिल्म के प्रचार अभियान को भी गति मिलने की उम्मीद है। वाइब' का निर्माण टिप्स फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। फिल्म में कुणाल खेमू और प्रीति जिंटा के साथ स्पर्श श्रीवास्तव और वंशिका धीर प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

करण जौहर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 बनेंगी शनाया कपूर, इस बार होगा बड़ा बदलाव

करण जौहर की लोकप्रिय फ्रेंचाइजी स्टूडेंट ऑफ द ईयर की तीसरी कड़ी पर अपडेट आ गया है। इस साल आई फिल्म तू या मैं से दर्शकों को प्रभावित करने के बाद, शनाया कपूर तीसरी कड़ी का हिस्सा होंगी। हालांकि, यह एक नए रूप में दर्शकों के सामने आएगी और यह बिल्कुल अलग तरह की कहानी होगी। बताया जा रहा है कि करण के धर्माटिक एंटरटेनमेंट द्वारा समर्थित इस परियोजना को फिल्म नहीं, बल्कि वेब सीरीज का रूप दिया गया है।

सूत्र ने कहा, सबसे पहले तो, जहां स्टूडेंट ऑफ द ईयर (2012) और स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 (2019) फिल्में थीं, वहीं स्टूडेंट ऑफ द ईयर का तीसरा भाग एक वेब सीरीज होगा। दूसरे, पहले 2 भाग हल्के-फुल्के मनोरंजन वाले थे। वहीं, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 बिल्कुल अलग तरह की कहानी है।

उन्होंने बताया कि यह ज्यादा गंभीर, चुनौतीपूर्ण और गहन होगी। इसे क्लास और यूफोरिया के मिश्रण के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्र ने आगे कहा, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 इसी साल जियोहॉटस्टार पर रिलीज होने की उम्मीद है। इसका नाम स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3- आफ्टर द डार्क हो सकता है। हालांकि, सूत्र ने यह भी स्पष्ट किया कि अंतिम पुष्टि निर्माताओं के ऐलान के बाद होगी। बता दें, स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 का निर्देशन रीमा माया ने किया है। बताया जा रहा है कि इसमें शनाया को दोहरी भूमिका निभाते हुए देखा जा सकता है।

पलक तिवारी का बोल्ड ट्रेडिशनल लुक वायरल, सिजलिंग तस्वीरों से इंटरनेट पर मचा तहलका

बॉलीवुड की उभरती हुई स्टार और फैशन आइकन पलक तिवारी जब भी सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करती हैं, वह देखते ही देखते वायरल हो जाती हैं। हाल ही में पलक ने अपनी सिजलिंग तस्वीरों से इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। तस्वीरों में पलक तिवारी ट्रेडिशनल और वेस्टर्न फ्यूजन का परफेक्ट कॉम्बिनेशन पेश करती नजर आ रही हैं।

पलक तिवारी के इस स्टनिंग आउटफिट की बात करें तो उन्होंने पेस्टल पिंक और आइवरी टोन का बेस वाला लहंगा पहना है। लहंगे पर पर्पल, मैजेंटा और स्पार्कलिंग बीड्स व सीक्वेंस की बारीक और भारी हैंड एंब्रॉयडरी की गई है।

लहंगे का सबसे मुख्य आकर्षण उनका अपर अटायर है। पलक ने प्लंजिंग नेकलाइन और ऑफ-शोल्डर स्टाइल वाली क्रिस्टल एंब्रॉयडर्ड कोर्सेट चोली कैरी की है। इस स्ट्रैपलेस-लुक चोली पर बारीक मोतियों का काम और शीर नेट की लेयरिंग दी गई है। साथ ही लहंगे के साथ मैचिंग शीर दुपट्टा फर्श तक लहराता हुआ उनके लुक में एक रॉयल और एथिरियल टच जोड़ रहा है।

इस पूरे फोटोशूट में पलक तिवारी के पोज और फेशियल एक्सप्रेशंस मुख्य आकर्षण हैं। उनकी नशीली और कातिलाना निगाहें किसी को भी अपना दीवाना बनाने के लिए काफी हैं। पलक की पतली कमर, परफेक्ट टोंड फिगर और बोल्ड सिड्यूसिंग पोजेस हर फोटो को और अधिक अट्रैक्टिव बना रहे हैं।

पलक तिवारी के ब्यूटी और मेकअप लुक ने उनके इस आउटफिट को और ज्यादा निखार दिया है। उन्होंने अपने आउटफिट से मैच करता हुआ मोनोक्रोमैटिक पर्पल और मेश पिंक आईशैडो इस्तेमाल किया है। बालों को उन्होंने मिडिल पार्टीशन के साथ सॉफ्ट बाउंसी वेव्स में खुला छोड़ा है।

अपने इस हैवी और अट्रैक्टिव लुक को बैलेंस करने के लिए पलक ने मिनिमल ज्वैलरी चुनी है। उन्होंने गले को पूरी तरह खाली रखा है ताकि कोर्सेट का कट और कटआउट हाइलाइट हो सके, जबकि कानों में डैंगलर इयररिंग्स और हाथों में स्टेटमेंट पर्पल रिंग्स पहनकर अपने लुक को पूरा किया है।

पलक तिवारी का यह ग्लैमरस अवतार पोस्ट होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। फैंस कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट वाले इमोजी की बारिश कर रहे हैं। कोई उन्हें स्टनिंग कह रहा है तो कोई बॉलीवुड की अगली फैशन क्वीन।

नानी की द पैराडाइज़' की प्री-सेल्स ने मचाई धूम, चार घंटे में पार किया एक लाख डॉलर का आंकड़ा

अपनी स्वाभाविक और यथार्थवादी अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता नानी जल्द ही अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म द पैराडाइज़' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। निर्देशक श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बनी यह फिल्म 24 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में बड़े स्तर पर प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म की रिलीज से पहले ही विदेशों में इसकी लोकप्रियता और कारोबार को लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है।

फिल्म की उत्तर अमेरिकी बाजार में अग्रिम टिकट बिक्री ने शुरुआती दौर में ही मजबूत प्रदर्शन किया है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, द पैराडाइज़' ने सिनेमार्क के माध्यम से महज चार घंटे में एक लाख अमेरिकी डॉलर की अग्रिम बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया। इसके साथ ही यह इस मंच पर इतनी तेजी से इस आंकड़े तक पहुंचने वाली तेलुगु फिल्मों में सबसे आगे निकल गई है।

द पैराडाइज़' को उत्तर अमेरिका में प्रत्यंगिरा सिनेमाज द्वारा वितरित किया जा रहा है। फिल्म का अमेरिका में पहला प्रदर्शन 23 सितंबर 2026 को होगा, जबकि भारत समेत दुनियाभर में यह 24 सितंबर को सिनेमाघरों में पहुंचेगी।

अग्रिम टिकट बिक्री में मिली शुरुआती सफलता ने फिल्म के विदेशों में कारोबार को लेकर उम्मीदें बढ़ा दी हैं। फिल्म के बड़े कलाकारों और इसके व्यापक स्तर पर तैयार किए जाने के कारण कारोबार विश्लेषकों को उत्तर अमेरिकी और अन्य विदेशी बाजारों में इसके अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

फिल्म में नानी के साथ कायादु लोहार मुख्य महिला भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा मोहन बाबू, राघव जुयाल, सोनाली कुलकर्णी, बाबू मोहन और संपूर्णेश बाबू भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर ने संभाली है। नानी और श्रीकांत ओडेला की जोड़ी से भी दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं। दोनों इससे पहले भी साथ काम कर चुके हैं और इस फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है।

फिल्म की अग्रिम टिकट बिक्री से मिले शुरुआती संकेतों ने इसके विदेशों में संभावित कारोबार को लेकर चर्चा तेज कर दी है। खासतौर पर उत्तर अमेरिका में महज चार घंटे में एक लाख डॉलर का आंकड़ा पार करना निर्माताओं के लिए उत्साहजनक माना जा रहा है।

बड़े कलाकारों, चर्चित निर्देशक और अनिरुद्ध रविचंदर के संगीत के साथ तैयार हुई द पैराडाइज़' को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित करने की तैयारी है। अब निगाहें 23 सितंबर को अमेरिका में होने वाले पहले प्रदर्शन और 24 सितंबर को दुनियाभर में फिल्म की रिलीज पर टिकी हैं।

जनसंपर्क कार्यक्रम में पनेर गाँव में ग्रामीणों ने सड़क समेत मूलभूत सुविधाओं का मुद्दा उठाया

अल्मोड़ा(आरएनएस)। सोमेश्वर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस की ओर से दावेदारी कर रहे डॉ. अजयपाल ने ताकुला ब्लॉक के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क किया। उन्होंने ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं और गांवों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं की स्थिति की जानकारी ली। पनेर गांव में आयोजित जनमिलन कार्यक्रम में ग्रामीणों ने सड़क समेत मूलभूत सुविधाओं की कमी का मुद्दा उठाया। ग्रामीणों ने कहा कि सोमेश्वर क्षेत्र से लगातार तीन बार भाजपा विधायक रेखा आर्या के प्रतिनिधित्व के बावजूद पनेर गांव तक पक्की सड़क नहीं पहुंच सकी है। उन्होंने गांव में अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर भी नाराजगी जताई। ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद डॉ. अजयपाल ने कहा कि लगातार तीन कार्यकाल तक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व होने के बावजूद किसी गांव में सड़क जैसी प्राथमिक सुविधा का अभाव जनप्रतिनिधित्व और शासन की विफलता को दर्शाता है। इसके बाद डॉ. अजयपाल ने थापला गांव में भी जनमिलन बैठक कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र बाराकोटी, ताकुला ब्लॉक अध्यक्ष बहादुर सिंह मेहता, महिला मोर्चा अध्यक्ष हेमा भंडारी, युवा मोर्चा अध्यक्ष दीपक सिंह बोहरा, शंकर सिंह रावत, सुनील बाराकोटी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

निजी अस्पतालों में 24 घंटे के भीतर नवजात को बर्थ डोज अनिवार्य

रुद्रपुर(आरएनएस)। निजी अस्पतालों में संस्थागत प्रसव के बाद नवजात को जन्म के 24 घंटे के भीतर बर्थ डोज लगाना अनिवार्य होगा। बीसीजी, ओपीवी-० और हेपेटाइटिस-बी की वैक्सीन उपलब्ध नहीं होने पर अस्पताल प्रबंधन को नवजात को तत्काल निकटतम सरकारी अस्पताल, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल भेजकर टीकाकरण कराना होगा। लापरवाही मिलने पर संबंधित अस्पताल के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव गोस्वामी ने जिले के सभी निजी चिकित्सालयों और नर्सिंग होम को निर्देश जारी किए हैं। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में कई निजी अस्पतालों में जन्म के समय लगने वाली आवश्यक खुराक नहीं लगाए जाने और यू-विन पोर्टल पर टीकाकरण की जानकारी समय से दर्ज नहीं किए जाने की बात सामने आई थी।सीएमओ ने प्रत्येक संस्थागत प्रसव के बाद टीकाकरण की जानकारी यू-विन पोर्टल पर वास्तविक तिथि में शत-प्रतिशत दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही डिस्चार्ज के तुरंत बाद जन्म संबंधी अभिलेख और डिस्चार्ज प्रमाणपत्र निकटतम नगर निगम या नगरपालिका में जमा कराने होंगे।

सू- दोकू क्र.071

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.70 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

भाजपा की शैली, लवी और कांग्रेस के जीवन ने वापस लिया नामांकन

रुद्रपुर(आरएनएस)। किच्छा नगर पालिका चुनाव में भाजपा की बागी शैली फुटेला और लवी सहगल तथा कांग्रेस के बागी जीवन जोशी ने पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में अपना नामांकन वापस ले लिया। वहीं यूकेडी प्रत्याशी अनिल पांडे ने भी भाजपा के समर्थन में नामांकन वापस ले लिया। नाम वापसी के बाद अध्यक्ष पद पर भाजपा के संदीप अरोरा, कांग्रेस के राजेश प्रताप सिंह और निर्दलीय अब्दुल रशीद व नरेंद्र टाकुली चुनाव मैदान में रह गए हैं। किच्छा और सिरौलीकलां नगर पालिका में 22 सितंबर को मतदान होगा। किच्छा में अध्यक्ष पद के लिए 12 प्रत्याशियों ने नामांकन कराया था। नाम वापसी के दिन शैली फुटेला और लवी सहगल ने भाजपा प्रत्याशी संदीप अरोरा के समर्थन में नामांकन वापस लिया।यूकेडी प्रत्याशी अनिल पांडे ने भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर नामांकन वापस ले लिया। कांग्रेस के बागी जीवन जोशी ने भी कांग्रेस प्रत्याशी राजेश प्रताप सिंह के समर्थन में पर्चा वापस लिया। अध्यक्ष पद के निर्दलीय प्रत्याशी आयशा बी, विशाल मदान और वंदना सिंह ने भी नामांकन वापस ले लिया।

सभासद पद पर वार्ड 2 से पूनम नगरकोटी, वार्ड 3 से रहीस बानो, खैरूनिशा और गजाला, वार्ड 4 से किशन, वार्ड 5 से अमित कुमार, रवि शर्मा और शिखा शर्मा, वार्ड 6 से रीना पांडे और मालती कुमारी, वार्ड 7 से अजय पाल, वार्ड 9 से मुन्नी देवी, वार्ड 1० से कमलेश और दीक्षा राठौर, वार्ड 11 से भावना बिष्ट, पुष्कर सिंह और नरेंद्र प्रताप, वार्ड 12 से दया डसीला, मनिंदर सिंह, मन्नू अरोड़ा और विकास शर्मा, वार्ड 13 से नितिन फुटेला, कौशिक आहूजा, प्रकाश अरोड़ा, मुकेश कुमार और शैलेंद्र कुमार, वार्ड 14 से मुकेश राठौर, वार्ड 15 से फरहीन बानो, वार्ड 17 से आयशा बी, सदफ मलिक, सहजी मलिक और इकरा मलिक, वार्ड 19 से छम्मन लाल व मिथिलेश तथा वार्ड 2० से राजेंद्र सिंह और सुभाष ने नामांकन वापस लिया। सिरौलीकलां नगर पालिका में अध्यक्ष पद की निर्दलीय प्रत्याशी जैबु निशा ने नामांकन वापस लिया। सभासद पद पर वार्ड 1 से जैबु निशा व छोटी तथा वार्ड 4 से मो. अहमद, मो. युनुस रजा, मो. शोहेब, हुमा नाज, हिना और मो. जीशान ने पर्चा वापस लिया। यहां अध्यक्ष पद पर कांग्रेस की राशिदा और निर्दलीय फरहीन जहां मैदान में हैं।

रानीबाग अतिक्रमण के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन का ऐलान

हल्द्वानी(आरएनएस)। रानीबाग स्थित चित्रेश्वर धाम में कथित अतिक्रमण के खिलाफ नवाबी रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में कत्युरी समाज की बैठक हुई। बैठक में अतिक्रमण हटाने, माता जिया रानी के भक्तों पर दर्ज मुकदमों की निष्पक्ष जांच और कथित अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन का निर्णय लिया गया। 18 से 26 सितंबर तक जनजागरूकता और हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा। 27 सितंबर को हल्द्वानी में बड़ी बैठक कर आगे की रणनीति तय होगी। कार्रवाई न होने पर पांच अक्तूबर से बुद्ध पार्क में अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी दी गई। पहाड़ी आर्मी अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि समाज के 49 लोगों पर दबाव में मुकदमे दर्ज किए गए हैं।बैठक में प्रदीप रौतेला, राजेंद्र कांडपाल, मनोज कुमार पांडे, मनोहर सिंह रावत, ललित मनराल, लीला देवी, दीपिका मंगोली, सीता रावत, रमा पांडे, अंजू पांडे, प्रेमा मेर, हरेंद्र राणा, संतोष सिंह नेगी आदि लोग मौजूद रहे।

महंगाई पर फूटा महिला एकता मंच का गुस्सा

हल्द्वानी(आरएनएस)। महिला एकता मंच के बैनर तले रामनगर के लखनपुर चौक पर महंगाई के खिलाफ जनसभा का आयोजन किया गया। सभा के बाद महिलाओं ने एक जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया और एक स्वर में आवश्यक वस्तुओं के बढ़ते दामों को तत्काल कम करने की पुरजोर मांग की। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के चलते आज देश में आटा, दाल, चावल, तेल और रसोई गैस जैसी बुनियादी वस्तुएं आम आदमी की पहुंच से बाहर होती जा रही हैं। सभा का संचालन करते हुए ललिता रावत ने कहा कि चीनी के दाम 4० रुपये से बढ़कर 6०-7० रुपये प्रति किलो, सरसों का तेल 2०० रुपये के पार और रसोई गैस 1,००० रुपये प्रति सिलेंडर से अधिक हो चुके हैं।डीजल और पेट्रोल की बेतहाशा बढ़ोतरी ने रोजमर्रा की हर चीज को महंगा कर दिया है, जिसका सबसे बुरा असर महिलाओं की रसोई और उनके घर-परिवार के बजट पर पड़ रहा है। कौशल्या ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि देश के कॉर्पोरेट घरानों और बहुराष्ट्रीय निगमों को खुली छूट दी गई है, जिसके परिणामस्वरूप शिक्षा, स्वास्थ्य, दवाइयां और जनता की अन्य जरूरी चीजें लगातार महंगी होती जा रही हैं। समाजवादी लोक मंच के जगमोहन रावत ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण देश आत्मनिर्भर विकास के मार्ग से भटककर अपनी अधिकांश आवश्यकताओं के लिए विदेशी ताकतों पर निर्भर होता जा रहा है। इस दौरान गिरीश चंद्र आर्य, महिला एकता मंच की सरस्वती जोशी, पुष्पा चंदोला, विद्यावती शाह, कमला देवी, प्रगतिशील एकता केंद्र की तुलसी छिम्वाल, परिवर्तन पार्टी की किरन आर्य, संयुक्त संघर्ष समिति के ललित उप्रेती, किसान संघर्ष समिति के महेश जोशी आदि मौजूद रहे।

शक्तिफार्म में 121 फीट ऊंचे तिरंगे का लोकार्पण

रुद्रपुर(आरएनएस)। नगर पंचायत शक्तिफार्म के सुभाष चौक पर राज्य वित्त आयोग मद से स्थापित करीब 121 फीट ऊंचे हाईमास्ट तिरंगे का कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा और नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल ने लोकार्पण किया। इस दौरान नगर पंचायत क्षेत्र में 4.83 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री बहुगुणा ने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने वाले सामाजिक संगठनों को सहयोग दिया जाना चाहिए। उन्होंने पुलिस और सामाजिक संगठनों से मिलकर नशे के खिलाफ प्रभावी ढंग से काम करने की अपील की। उन्होंने क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि प्रह्लाद पलसिया-सिडकुल, सितारगंज में 12 करोड़ रुपये की लागत से पुल का निर्माण कराया जा रहा है। इससे शक्तिफार्म के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। प्रह्लाद पलसिया में एक्का पार्क और आइसक्रीम प्लांट भी स्थापित किया जा रहा है। इनके निर्माण के बाद स्थानीय युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे।

मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों को सम्मान और प्रतिनिधित्व देने का काम कर रही है। इसी क्रम में शक्तिफार्म के संजय बाछाड़ को सरकार में काम करने का अवसर मिला है। इससे पहले उत्तम दत्ता को दर्जाधारी बनाया गया, जबकि रवि मजूमदार को गोसेवा आयोग का सदस्य मनोनीत किया गया। उन्होंने शक्तिफार्म में जल्द ही विशाल गोशाला निर्माण की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि देश को 'विकसित भारत' बनाने के संकल्प में शक्तिफार्म और सितारगंज की जनता भी अपना योगदान दे। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त सैनिकों, शिक्षकों, पर्यावरण मित्रों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया। विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर देशभक्ति और उत्साह का माहौल बनाया।

कार्यक्रम में दर्जाधारी संजय बाछाड़, दुग्ध संघ अध्यक्ष प्रभा रावत, राज्य हज कमेटी अध्यक्ष खतीब अहमद, गोविंद तालुकदार, सुनीता सरकार, रमेश राय, गोविंद पोखरिया, देवाशीष पोद्दार, विनय विश्वास, केपी मंडल, मयंक अग्रवाल, कार्तिक राय, सुशील राय, विक्रम भंडारी, मीना देवी, सुबीर सरकार, गोविंद सरकार, राघव सिंह, अशोक मंडल, किशोर राय और रविंद्र अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

इस बार गणेश उत्सव 10 नहीं, 12 दिन का रहेगा !

संवाददाता

नई दिल्ली। पूरे देश में गणेश उत्सव की धूम है, 14 सितंबर से घर-घर में गणेश बप्पा विराजमान हो चुके हैं। ज्योतिष गणना के अनुसार, इस बार गणेश उत्सव 10 नहीं, 12 दिन का रहेगा। असल में गणपति बप्पा को घर लाने की खुशी जितनी खास होती है, उनकी विदाई का पल उतना ही भावुक होता है। ढोल-नगाड़ों और *गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ* के जयकारों के बीच भक्त भगवान गणेश की प्रतिमा को विदा करते हैं। गणेश विसर्जन के लिए सिर्फ एक ही दिन तय नहीं होता? परिवार की परंपरा के अनुसार डेढ़ दिन, 3 दिन, 5 दिन, 7 दिन या फिर अनंत चतुर्दशी के दिन भी बप्पा का विसर्जन किया जाता है।

गणेशोत्सव का मुख्य समापन अनंत चतुर्दशी यानी 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को होगा। इसी दिन देशभर में बड़ी संख्या में गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। वहीं, जिन घरों में कम दिनों के लिए गणपति स्थापित किए जाते हैं, वहां परंपरा के अनुसार पहले भी विसर्जन किया जा सकता है। विसर्जन के दिन सबसे पहले भगवान गणेश की विधिवत पूजा और आरती करें। बप्पा को फूल, दूर्वा, सिंदूर, फल और मोदक का भोग लगाएं। इसके बाद परिवार के सभी सदस्य गणपति से सुख-समृद्धि और विघ्नों को दूर करने की प्रार्थना करें। प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाने से पहले घर या पूजा स्थल पर आरती करना और श्रद्धापूर्वक विदाई देना शुभ माना जाता है। इसके बाद गणेश जी की प्रतिमा को सम्मानपूर्वक उठाकर विसर्जन स्थल तक ले जाया जाता है।

धार्मिक परंपरा में गणेश विसर्जन को भगवान के अपने धाम लौटने का प्रतीक माना जाता है। गणपति की स्थापना के दौरान भक्त उन्हें अपने घर का सदस्य मानकर पूजा करते हैं और उत्सव के बाद विदाई देते हैं। यह संदेश भी देता है कि जीवन में आगमन और प्रस्थान दोनों प्रकृति के नियम हैं।

प्रतिमा का सम्मानपूर्वक विसर्जन करें, गणपति की प्रतिमा को जमीन पर सीधे न रखें। संभव हो तो विसर्जन स्थल तक साफ कपड़े या पूजा की चौकी में रखकर ले जाएं। पर्यावरण का ध्यान रखें- मिट्टी या प्राकृतिक सामग्री से बनी प्रतिमा का इस्तेमाल करना बेहतर है। विसर्जन के लिए प्रशासन द्वारा बनाए गए कृत्रिम तालाब या निर्धारित स्थान का उपयोग करें। फूल-माला, प्लास्टिक, सजावटी सामग्री और अन्य गैर-घुलनशील वस्तुओं को जल में न डालें। इन्हें अलग करके उचित तरीके से निस्तारित करें। विसर्जन से पहले गणपति की आरती कर उनसे परिवार पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की जाती है। विसर्जन को केवल प्रतिमा को पानी में प्रवाहित करने की प्रक्रिया न मानकर भगवान गणेश को भावपूर्ण विदाई देने की परंपरा माना जाता है।

भाजपा का शक्ति प्रदर्शन..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

मिल सकता है। इसके विपरीत विपक्ष यदि नए नेतृत्व और स्थानीय मुद्दों के साथ जमीन पर सक्रिय होता है तो तस्वीर बदलने की गुंजाइश भी बनी रहेगी।

चंपावत में हुआ यह दल-बदल भाजपा के लिए संगठन विस्तार से अधिक माहौल बनाने की राजनीति का हिस्सा दिखाई देता है। पार्टी एक तरफ जनप्रतिनिधियों के शामिल होने को अपने बढ़ते प्रभाव का प्रमाण बता रही है, तो दूसरी तरफ सर्वेक्षणों का हवाला देकर यह संदेश दे रही है कि चुनावी मुकाबले में भाजपा मजबूत स्थिति में है। अब देखने वाली बात यह होगी कि चंपावत से निकला यह राजनीतिक संदेश राज्य के अन्य जिलों तक कितना प्रभाव डालता है। फिलहाल भाजपा का दावा स्पष्ट है कि स्थानीय निकायों से लेकर जनता के बीच तक पार्टी के पक्ष में माहौल बन रहा है और 2027 की लड़ाई के लिए संगठन पहले से मैदान में उतर चुका है।

तारीख का इंतजार, मैदान में...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

सबसे ज्यादा चर्चा आरोपों और प्रत्यारोपों की है। लेकिन जनता के सामने असली सवाल इससे कहीं बड़े हैं। पहाड़ों से लगातार हो रहा पलायन, युवाओं के लिए रोजगार, प्राकृतिक आपदाओं से जूझता राज्य, स्वास्थ्य और शिक्षा की चुनौतियां, गांवों का खाली होना और विकास का असंतुलन यह ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब केवल चुनावी मंचों की बयानबाजी से नहीं मिलेगा। राजनीतिक दलों के लिए चुनौती यह होगी कि वे एक-दूसरे पर शब्दबाण चलाने के साथ-साथ यह भी बताएं कि उत्तराखंड के भविष्य के लिए उनकी ठोस योजना क्या है। जनता अब केवल यह सुनने के मूड में नहीं है कि कौन किससे ज्यादा भ्रष्ट, विफल या अवसरवादी है। वह यह भी जानना चाहती है कि अगले पांच वर्षों में उसकी जिंदगी और प्रदेश की दिशा कैसे बदलेगी।

फिलहाल चुनाव की तारीख का इंतजार है, लेकिन राजनीतिक महाभारत शुरू हो चुकी है। आने वाले दिनों में नेताओं की बयानबाजी और तीखी होगी, पुराने आरोप नए रूप में सामने आएंगे, दल-बदल बढ़ेंगे, सर्वेक्षणों की राजनीति तेज होगी और सोशल मीडिया चुनावी रणभूमि का महत्वपूर्ण हिस्सा बनेगा। कुरुक्षेत्र तैयार है, सेनाएं सज रही हैं और शब्दबाणों की बौछार शुरू हो चुकी है। फर्क सिर्फ इतना है कि अभी चुनाव आयोग का शंख नहीं बजा है। लेकिन उत्तराखंड की राजनीति बता रही है कि 2027 की महाभारत का पहला चरण शुरू हो चुका है अब देखना यह है कि शब्दों की इस लड़ाई को जनता के असली मुद्दे कितना दिशा देते हैं और अंतिम दिन मतदाता किसके पक्ष में अपना ब्रह्मास्त्र चलाता है।

21 सितंबर से देहरादून में गूंजेगा टी-20 का बड़ा रोमांच

❑पुरुष-महिला खिलाड़ियों को मिलेगा बड़ा मंच

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के युवा क्रिकेटरों के लिए एक बार फिर बड़ा मंच तैयार है। उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2026 का तीसरा संस्करण 21 सितंबर 2026 से 1 अक्टूबर 2026 तक देहरादून में आयोजित किया जाएगा। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड की ओर से आयोजित इस टी-20 लीग के मुकाबले राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में खेले जाएंगे।

इस बार यूपीएल की खास बात यह है कि पुरुष और महिला दोनों वर्गों में मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। ऐसे में प्रदेश के पुरुष और महिला क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने, प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने और बड़े स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।

यूपीएल को उत्तराखंड के क्रिकेटरों के लिए महत्वपूर्ण मंच माना जा रहा है। इस लीग का असर केवल खिलाड़ियों तक सीमित नहीं रहेगा। बड़े स्तर के आयोजन से कोच, सपोर्ट स्टाफ, मैच अधिकारियों, ग्राउंड स्टाफ और आयोजन से जुड़े अन्य लोगों को भी पेशेवर स्तर पर काम करने का अनुभव मिलता है। इससे प्रदेश में क्रिकेट से जुड़े पूरे इकोसिस्टम को मजबूत करने में मदद मिल सकती है। सीएयू के सचिव के मुताबिक, यूपीएल का उद्देश्य उत्तराखंड के क्रिकेटरों को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। पहले दो संस्करणों की सफलता के बाद तीसरे संस्करण में पुरुष और महिला खिलाड़ियों को बेहतर अवसर देने पर जोर दिया जा रहा है।

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ियों का फूटा गुस्सा, परेड ग्राउंड में दिया धरना

संवाददाता

देहरादून। खेल निदेशालय उत्तराखंड की नाकामी और खिलाड़ियों के प्रति उदासीन रवैये के खिलाफ परेड ग्राउंड बैडमिंटन हॉल में सीनियर व राज्य स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने जबरदस्त धरना प्रदर्शन किया।

आज यहां खेल निदेशालय उत्तराखंड की नाकामी और खिलाड़ियों के प्रति उदासीन रवैये के खिलाफ परेड ग्राउंड बैडमिंटन हॉल में सीनियर व राज्य स्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने जबरदस्त धरना प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों का मुख्य आक्रोश इस बात को लेकर था कि बीते दिन, 14 सितंबर को उन्हें हॉल में खेलने से जबरन रोका गया और जबरन 2,500 की वसूली की गई। इस दौरान प्रशासन के अधिकारियों ने वरिष्ठ और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का भी कोई मान-सम्मान नहीं रखा और उनसे भी तानाशाही रवैये से पूरी रकम वसूली।

वरिष्ठ खिलाड़ियों का अपमान और स्पोर्ट्स फॉर ऑल के दावे की पोल प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे खिलाड़ियों ने बताया कि इस बैडमिंटन हॉल में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिक भी अपने स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से आते हैं। प्रशासन द्वारा एकमुश्त फीस को 1,000 से बढ़ाकर 2,500 करना और वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ दुर्व्यवहार करना बेहद निंदनीय है। खिलाड़ियों ने सरकार के स्पोर्ट्स फॉर ऑल (सभी के लिए खेल) के नारे पर सवाल उठाते हुए पूछा कि इतनी भारी-भरकम फीस के बीच आम जनता और बुजुर्ग कैसे खेल पाएंगे। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया कि महंगाई दर के अनुसार यह बढ़ोतरी अधिकतम 10 प्रतिशत होनी चाहिए थी, लेकिन शिक्षा और चिकित्सा की तर्ज पर अब खेलों का भी पूरी तरह से व्यावसायिकरण करने की साजिश रची जा रही है। प्रदर्शन में मुख्य रूप से वरिष्ठ एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एस.के. पटेल, एस.एस. पुंडीर, और पुनीता नागिया सहित बड़ी संख्या में राज्य स्तर के सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी और खेल प्रेमी मुख्य रूप से शामिल रहे। मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग व अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी धरने के माध्यम से खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री से पुरजोर अनुरोध किया है कि खेल और खिलाड़ियों का अपमान करने वाले ऐसे खेल-विराधी अधिकारियों को तुरंत उनके पदों से हटाया जाए और प्रधानमंत्री के खेल संबंधी निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

खिलाड़ियों ने चेतावनी दी कि आज का यह प्रदर्शन केवल एक सांकेतिक धरना था। यदि इस बेतहाशा फीस बढ़ोतरी और तानाशाही रवैये को तुरंत वापस नहीं लिया गया, तो इसे एक बड़े अनिश्चितकालीन धरने में बदल दिया जाएगा, जिसमें प्रदेश के अन्य विभागों और खेल संघों को भी शामिल किया जाएगा।

स्व. गुलाब सिंह की 100वीं जयंती पर कांग्रेसियों ने जलाए 100 दीप

हमारे संवाददाता

देहरादून। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता स्वर्गीय गुलाब सिंह की 100वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष लालचन्द शर्मा के नेतृत्व में गोविंदगढ़ स्थित श्री परशुराम मंदिर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर स्वर्गीय गुलाब सिंह की स्मृति में 100 दीप प्रज्वलित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके उपरांत मंदिर परिसर में विधिवत हवन किया गया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं को प्रसाद वितरित किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने कहा कि स्वर्गीय गुलाब सिंह ने अपने सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन में जनसेवा को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने समाज के कमजोर, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाने के साथ ही प्रदेश और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उनका सरल, सहज एवं जनसरोकारों से जुड़ा व्यक्तित्व आज भी समाज और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

उनकी 100वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेसजनों ने संकल्प लिया कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनसेवा की भावना के साथ पहुंचेंगे और जनहित से जुड़े मुद्दों के लिए निरंतर संघर्ष करते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान श्री परशुराम चतुर्वेद विद्यालय, देहरादून के आचार्य पवन कुमार शर्मा, अध्यक्ष वैदिक ब्राह्मण सभा, आचार्य भगवती प्रसाद थपलियाल, आचार्य दुर्गेश भट्ट एवं अध्यापक आचार्य अमन तिवाड़ी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर छात्र अर्जित नारायण उनियाल द्वारा कविता पाठ प्रस्तुत कर स्वर्गीय गुलाब सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष धरेन्द्र प्रताप, आयेंद्र शर्मा, वीरेंद्र पोखरियाल, रमेश कुमार ष्मंगूष्, दीप बोहरा, अर्जुन सोनकर, विपुल नौटियाल, बैगा, पुनीत कुमार, सुभाष धस्माना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कांग्रेस के 'चंदा माडल' पर भाजपा का हमला

◆भ्रष्टाचार के आरोपों से गरमाई सूबे की राजनीति
◆भाजपा का हमला और कांग्रेस के नैरेटिव का जिक्र
◆कांग्रेस की फंडिंग व्यवस्था व नेटवर्क पर उठे सवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में एक बार फिर भ्रष्टाचार के आरोपों ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है। भाजपा ने प्रदेश और देश में कांग्रेस से जुड़े सामने आ रहे कथित भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर कांग्रेस की कार्यशैली पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जनता को जवाब देने के बजाय राजनीतिक सुविधा के अनुसार नैरेटिव गढ़ती रही है, जबकि उसके शासनकाल और नेताओं से जुड़े मामलों ने कथित तौर पर अलग तस्वीर सामने रखी है।

भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के निजी सहायक से कथित काले धन की बरामदगी और आरोपी पीए की ओर से कांग्रेस के लिए चंदा जुटाने संबंधी बताए जा रहे बयान को राजनीतिक रूप से बड़ा मुद्दा बनाया है। भाजपा का कहना है कि यदि जांच में सामने आए तथ्यों और आरोपों की पुष्टि होती है तो यह महज किसी एक व्यक्ति का मामला नहीं रहेगा, बल्कि कांग्रेस की राजनीतिक फंडिंग व्यवस्था और सत्ता के दौरान बने कथित नेटवर्क पर गंभीर सवाल खड़े होंगे।

भाजपा का हमला यहीं नहीं रुका। पार्टी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की राजनीति में भ्रष्टाचार कोई अपवाद नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही कार्यसंस्कृति का हिस्सा रहा है। हालांकि, इन राजनीतिक आरोपों की अंतिम सच्चाई जांच एजेंसियों और न्यायिक प्रक्रिया से ही तय होगी। फिलहाल दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का नया दौर शुरू हो गया है।

भाजपा की रणनीति में सबसे महत्वपूर्ण हथियार कथित कांग्रेसी चंदा माडल का मुद्दा है। पार्टी का तर्क है कि यदि किसी आरोपी से जुड़े बयान में राजनीतिक दल के लिए चंदा जुटाने की व्यवस्था का उल्लेख सामने आता है तो कांग्रेस को यह स्पष्ट करना चाहिए कि पार्टी के लिए धन जुटाने की प्रक्रिया क्या रही है और इसमें कौन-कौन लोग शामिल रहे हैं। राजनीतिक तौर पर यह सवाल कांग्रेस के लिए इसलिए असहज करने वाला है क्योंकि भ्रष्टाचार के आरोपों का जवाब केवल राजनीतिक प्रत्यारोप से नहीं दिया जा सकता। भाजपा अब कांग्रेस से यह पूछ रही है कि पार्टी को मिलने वाले चंदे की पारदर्शिता, उसके स्रोत और राजनीतिक संरक्षण के आरोपों पर उसका आधिकारिक पक्ष क्या है।

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का नाम सामने आने से यह विवाद और राजनीतिक रूप से संवेदनशील हो गया है। रावत उत्तराखंड कांग्रेस के सबसे प्रमुख चेहरों में रहे हैं और 2027 विधानसभा चुनाव से पहले उनकी राजनीतिक सक्रियता भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में भाजपा के लिए यह मुद्दा कांग्रेस के पुराने शासनकाल और उसके नेतृत्व की कार्यशैली पर हमला करने का अवसर बन गया है। भाजपा का संदेश साफ है कि भ्रष्टाचार पर कांग्रेस की नैतिकता की परीक्षा अब उसके अपने नेताओं और उनसे जुड़े मामलों के संदर्भ में होनी चाहिए।

वहीं कांग्रेस के सामने चुनौती यह है कि वह इन आरोपों को केवल राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताकर खारिज करने के बजाय तथ्यों के आधार पर जवाब दे। यदि आरोप निराधार हैं तो पार्टी को जांच और दस्तावेजों के आधार पर अपना पक्ष मजबूती से सामने रखना होगा। यही लोकतांत्रिक राजनीति में जवाबदेही की कसौटी है। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 की ओर बढ़ रहा है और ऐसे में भ्रष्टाचार का मुद्दा स्वाभाविक रूप से राजनीतिक हथियार बनेगा। भाजपा कांग्रेस के पिछले शासनकाल को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करेगी, जबकि कांग्रेस मौजूदा सरकार के कार्यकाल, रोजगार, महंगाई, पलायन, कानून-व्यवस्था और कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर भाजपा पर पलटवार करेगी।

यानी लड़ाई केवल एक कथित बरामदगी या एक आरोपी के बयान तक सीमित रहने वाली नहीं है। इसके केंद्र में बड़ा राजनीतिक सवाल है कि सत्ता और राजनीतिक चंदे के बीच संबंध कितना पारदर्शी है और राजनीतिक दल अपने आर्थिक स्रोतों के प्रति कितने जवाबदेह हैं? यही वह बिंदु है जहां भाजपा का दाल काली वाला हमला कांग्रेस के लिए राजनीतिक चुनौती बनता है। हालांकि, लोकतंत्र में आरोप लगना और आरोप साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। इसलिए किसी भी दल को राजनीतिक लाभ के लिए जांच से पहले किसी व्यक्ति को दोषी घोषित करने के बजाय तथ्यों और कानून की प्रक्रिया पर भरोसा करना चाहिए।

उत्तराखंड की जनता के सामने अब असली सवाल किसी एक पार्टी की बयानबाजी से बड़ा है। जनता यह जानना चाहती है कि राजनीतिक दलों को पैसा कहां से मिलता है, कौन देता है, किसके माध्यम से पहुंचता है और चुनावी राजनीति में उसका इस्तेमाल किस तरह होता है। भाजपा यदि कांग्रेस के कथित चंदा माडल को मुद्दा बना रही है तो उसे भी राजनीतिक चंदे और अपने वित्तीय तंत्र की पारदर्शिता के सवालों पर समान कसौटी स्वीकार करनी होगी। लोकतंत्र में जवाबदेही एकतरफा नहीं हो सकती। 2027 की चुनावी लड़ाई में भ्रष्टाचार निश्चित रूप से बड़ा मुद्दा बन सकता है। लेकिन इस बार जनता केवल आरोप नहीं, सबूत, जांच और कार्रवाई का परिणाम भी देखना चाहेगी। राजनीति में किसकी दाल कितनी काली का फैसला भाषणों से नहीं, तथ्यों और जांच की निष्पक्ष परिणति से होना चाहिए।

105 दिन से धरना, 89 दिन से क्रमिक अनशन जारी

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगारों का अपनी विभिन्न मांगों को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना आज 105वें दिन तथा क्रमिक अनशन 89वें दिन में प्रवेश कर गया है। इसके बावजूद सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश चंद्र पाण्डेय ने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षित बेरोजगार लंबे समय से रोजगार की मांग को लेकर संघर्षरत हैं। उन्होंने कहा कि 4 जून से शिक्षा निदेशालय, ननूरखेड़ा, देहरादून में शांतिपूर्ण धरना चल रहा है, लेकिन सरकार द्वारा उनकी मांगों पर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को आंदोलनरत बेरोजगारों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करते हुए सकारात्मक एवं ठोस निर्णय लेना चाहिए। यदि सरकार जल्द निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को और अधिक व्यापक एवं लोकतांत्रिक तरीके से तेज किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन की गंभीरता के लिए सरकार को तत्काल संवाद और समाधान की पहल करनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि नई शिक्षा नीति-2020 के तहत प्रदेश के प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय से लेकर प्रत्येक इंटरमीडिएट विद्यालय तक एक शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शारीरिक शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित फाइल संख्या 77006 को शीघ्र कैबिनेट से मंजूरी दिलाकर नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ की जाए।

गांजा तस्करी में 2 महिलाओं समेत 5 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा कारोबार में लिप्त दो महिलाओं सहित पांच लोगो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 7.553 किलो गांजा बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली रामनगर पुलिस द्वारा नशा कारोबार के खिलाफ ताबतोड़ कार्यवाही करते हुए दो महिलाओं सहित पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 7.553 किलो गांजा बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम ने गुल्लरघट्टी क्षेत्र में संदिग्ध स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी एवं चेकिंग अभियान' चलाया। जिसमें आरोपी कामेश त्यागी' के घर की तलाशी लेने पर उसके कमरे से 800 ग्राम अवैध गांजा, इलेक्ट्रॉनिक तराजू एवं गांजे की पुड़िया बनाने में प्रयुक्त पन्नियां बरामद हुईं। कामेश त्यागी को गांजे की पुड़िया बनाते हुए मौके पर ही गिरफ्तार किया गया। वहीं आरोपी विजय सागर' के कमरे की तलाशी लेने पर उसके कमरे से 465 ग्राम गांजा बरामद किया गया। भरत उर्फ बब्लू के घर की तलाशी में उसके कमरे से 975 ग्राम गांजा एवं पन्नियां' बरामद हुईं। आजिम के घर पर दबिश दी गई, जहां उसकी पत्नी नाजिया' गांजे की पुड़िया बनाते हुए मिली। उसके कब्जे से कुल 3.798 किलोग्राम अवैध गांजा एवं पन्नियां बरामद की गईं। वहीं नगमा के कब्जे से 1.405 किलोग्राम गांजा एवं पुड़िया' बनाने में प्रयुक्त पन्नियां बरामद की गई है। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

दिहाड़ी बचाने के लिए हजारों महिलाओं ने निकलवाया गर्भाशय

संवाददाता

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में गरीबी और मजदूरी व्यवस्था का एक भयावह सच सामने आया है। गन्ने के खेतों में काम करने वाली हजारों महिलाओं ने दिहाड़ी कटने और काम से छुट्टी न मिलने के डर से अपना गर्भाशय (यूटेरस) तक निकलवा लिया। कई मामलों में सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के बावजूद महिलाओं को हिस्टेरेक्टॉमी कराने के लिए मजबूर होना पड़ा। बीड और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष हर साल पश्चिम महाराष्ट्र के चीनी कारखानों और गन्ने के खेतों में मजदूरी करने जाते हैं। इनमें पति-पत्नी की जोड़ी बनाकर काम करने की व्यवस्था आम है। बताया जाता है कि जोड़ी में एक व्यक्ति के काम पर नहीं पहुंचने पर दोनों की मजदूरी काट ली जाती है। ऐसे में मासिक धर्म के दौरान दर्द और अधिक रक्तस्राव जैसी समस्याओं के बावजूद महिलाएं छुट्टी नहीं ले पातीं।

गन्ने के खेतों के आसपास अस्थायी झोपड़ियों या टेंट में रहने वाली इन महिलाओं को साफ पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी पर्याप्त रूप से नहीं मिलतीं। मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता की कमी से संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ जाती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ महिलाओं का आरोप है कि उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर निजी चिकित्सकों और झोलाछाप डॉक्टरों ने सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के लिए भी गर्भाशय निकालने की सलाह दी। कम उम्र में विवाह और दो-तीन बच्चों के बाद महिलाओं को यह समझाया गया कि अब उन्हें गर्भाशय की जरूरत नहीं है। मजदूरी बचाने और बीमारी से छुटकारा पाने की उम्मीद में कई महिलाओं ने कर्ज लेकर भी ऑपरेशन कराया।

विशेषज्ञों के अनुसार, आवश्यकता के बिना गर्भाशय निकालने से महिलाओं को आगे चलकर कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कमर व पेट के निचले हिस्से में दर्द, चक्कर, कमजोरी और चलने-फिरने में परेशानी जैसी शिकायतें सामने आ सकती हैं। इसके कारण कई महिलाएं पहले की तरह खेतों में भारी काम करने में भी असमर्थ हो जाती हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।